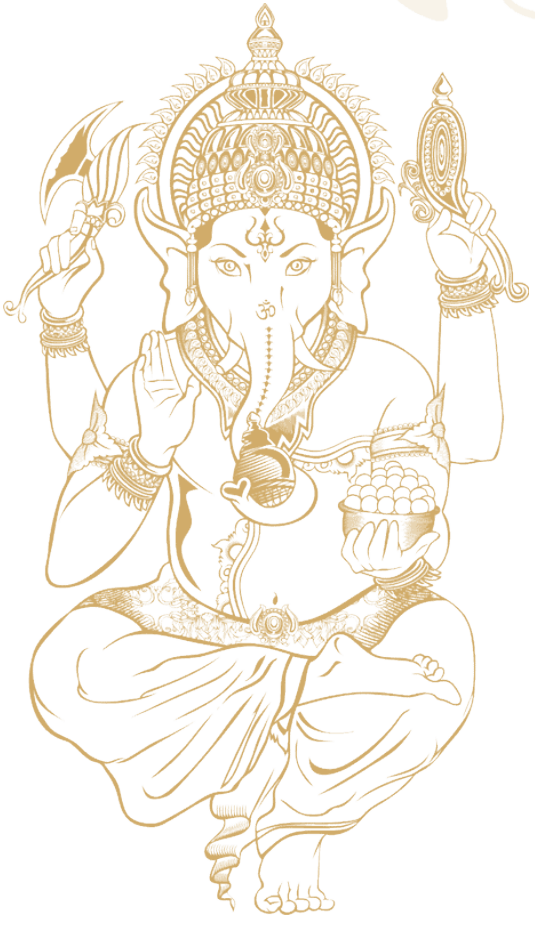

Ajay Pratap Singh

02 Aug 1979

02:24 AM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121817403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/08/1979**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:24:27 घंटे**
इष्ट	51:45:40 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:05:15 घंटे
वेलान्तर	-00:06:19 घंटे
साम्पातिक काल	22:44:43 घंटे
सूर्योदय	05:42:10 घंटे
सूर्यास्त	19:08:28 घंटे
दिनमान	13:26:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:26:07 कर्क
लग्न के अंश	01:03:48 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:03:48	339:27:50	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कर्क	15:26:07	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	22:45:02	12:49:04	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	01:57:13	00:40:23	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कर्क	13:30:24	00:43:02	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु		अ	कर्क	23:56:39	00:13:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	08:55:56	01:13:53	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			सिंह	18:53:00	00:06:42	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	15:16:06	00:01:13	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	15:16:06	00:01:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	23:22:03	00:00:20	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
नेप	व		वृश्चि	24:21:57	00:00:52	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
प्लूटो			कन्या	23:12:25	00:01:10	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	16:02:46	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:14

लग्न-चलित

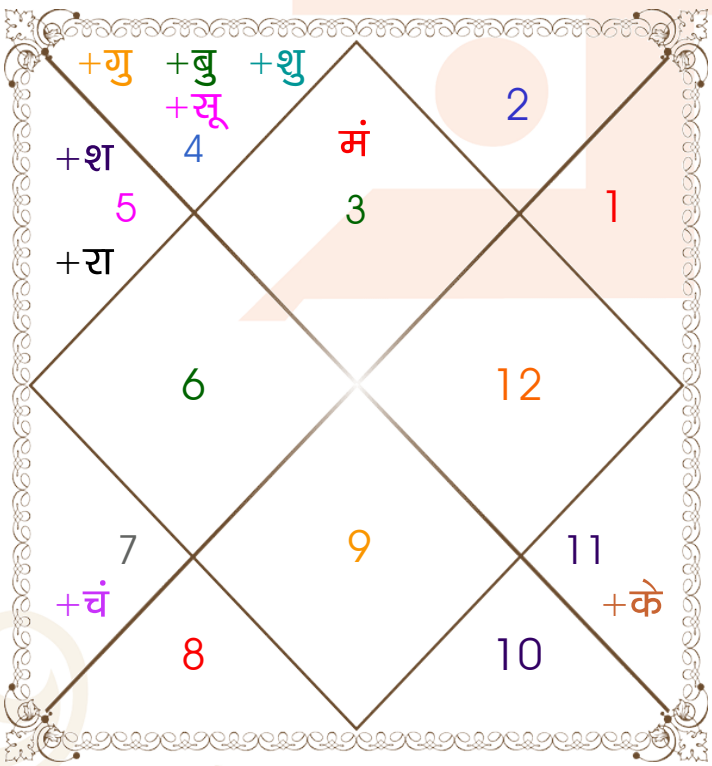

चन्द्र कुंडली

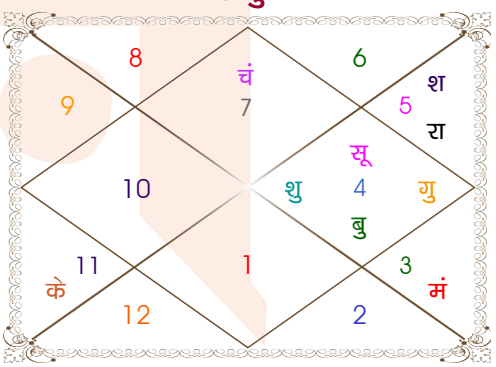

नवमांश कुंडली

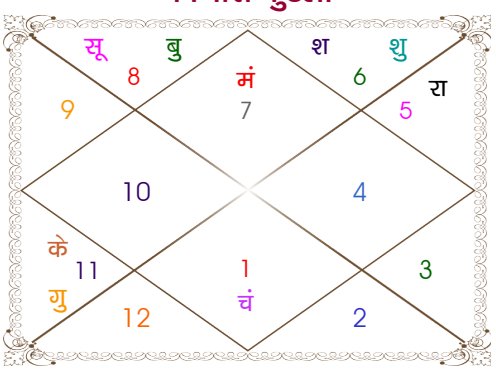

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 8 मास 11 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/08/1979		13/04/1992		14/04/2011		13/04/2028		14/04/2035	
13/04/1992		14/04/2011		13/04/2028		14/04/2035		14/04/2055	
	02/08/1979	शनि	17/04/1995	बुध	09/09/2013	केतु	09/09/2028	शुक्र	13/08/2038
शनि	13/12/1980	बुध	25/12/1997	केतु	07/09/2014	शुक्र	09/11/2029	सूर्य	14/08/2039
बुध	20/03/1983	केतु	03/02/1999	शुक्र	08/07/2017	सूर्य	17/03/2030	चंद्र	13/04/2041
केतु	24/02/1984	शुक्र	04/04/2002	सूर्य	14/05/2018	चंद्र	16/10/2030	मंगल	13/06/2042
शुक्र	25/10/1986	सूर्य	17/03/2003	चंद्र	13/10/2019	मंगल	14/03/2031	राहु	13/06/2045
सूर्य	14/08/1987	चंद्र	16/10/2004	मंगल	10/10/2020	राहु	01/04/2032	गुरु	12/02/2048
चंद्र	13/12/1988	मंगल	25/11/2005	राहु	29/04/2023	गुरु	08/03/2033	शनि	14/04/2051
मंगल	18/11/1989	राहु	30/09/2008	गुरु	04/08/2025	शनि	17/04/2034	बुध	12/02/2054
राहु	13/04/1992	गुरु	14/04/2011	शनि	13/04/2028	बुध	14/04/2035	केतु	14/04/2055

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/04/2055		13/04/2061		14/04/2071		14/04/2078		13/04/2096	
13/04/2061		14/04/2071		14/04/2078		13/04/2096		00/00/0000	
सूर्य	01/08/2055	चंद्र	12/02/2062	मंगल	10/09/2071	राहु	25/12/2080	गुरु	01/06/2098
चंद्र	31/01/2056	मंगल	13/09/2062	राहु	27/09/2072	गुरु	20/05/2083	शनि	02/08/2099
मंगल	07/06/2056	राहु	14/03/2064	गुरु	03/09/2073	शनि	26/03/2086		00/00/0000
राहु	02/05/2057	गुरु	14/07/2065	शनि	13/10/2074	बुध	13/10/2088		00/00/0000
गुरु	18/02/2058	शनि	12/02/2067	बुध	10/10/2075	केतु	31/10/2089		00/00/0000
शनि	31/01/2059	बुध	13/07/2068	केतु	08/03/2076	शुक्र	31/10/2092		00/00/0000
बुध	07/12/2059	केतु	11/02/2069	शुक्र	08/05/2077	सूर्य	25/09/2093		00/00/0000
केतु	13/04/2060	शुक्र	13/10/2070	सूर्य	12/09/2077	चंद्र	27/03/2095		00/00/0000
शुक्र	13/04/2061	सूर्य	14/04/2071	चंद्र	14/04/2078	मंगल	13/04/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।